Kiara
Let's Make Life Happy

Kiara Astrology Research Centre ®

ॐ गंग गणपतये नमः

(Prime Report)

Call: 08674827268

Kiara ID: 500||304 Date: 18|04|2020 Validity : 1 Months Only 17:25 hrs.

नाम:	Ishita Kaushik	जन्म तिथि:	18/07/1994	जन्म समय:	5:25 PM
जन्म स्थान:	Baghpat (UP)	मांगलिक योग:	NO	इष्ट देव:	Hanuman Ji

1. योग कारक (अच्छा) / मारक (शत्रु) ग्रह: (ग्रहों की स्थित के अनुसार) :

इन सभी ग्रहों के रत्न धारण करना, पूजा पाठ करना उत्तम होगा, लेकिन इन ग्रहों से सम्बंधित वस्तुयें का दान नहीं किया जाता है।

S.No	योग कारक (अच्छा) ग्रह	शुभ फल देने की क्षमता	मारक (शत्रु) ग्रह	अशुभ फल देने की क्षमता
1.	Guru	50 %	Mangal	100 %
2.	Budh (स्व)	50 %	Chandra (नीच)	40 %
3.	Rahu (उ)	25 %	Surya	25 %
4.			Shukra	100 %
5.			Shani (उ)	100 %
6.			Ketu (उ)	25 %

इन सभी ग्रहों को पूजा पाठ एवं दान करके शांत करना है। इनके रत्न वर्जित हैं।

2. राजयोग (अच्छा योग): 1. भद्र नामक पंचमहापुरुष योग (Active = 50%) ~~Sharp Mind, अच्छी व्यापारी (Business Women Skills). After marriage Career growth ज्यादा अच्छी होगी।~~

3. कुण्डली दोष: [चाण्डाल दोष]

4. शुभ दिन: Thursday, Wednesday.

5. शुभ रंग: (पीला, हरा) अशुभ: (लाल, काला, नीला)

6. रत्न (Gemstones) धारण कर सकते हैं (Life Time):

Gemstones (रत्न)	Ratti	Hand	Finger	Details
1. पुखराज (Yellow Sapphire)	6+	Left	Index	सोने, पीतल, ब्रॉन्ज में बृहस्पतिवार को शुक्लपक्ष में 8:15AM पर धारण करें।
2. पन्ना	6+	Right	Little	चाँदी में बुधवार को 8:15 AM पर धारण करें।
3.				

7. वर्जित रत्न (भूल कर भी धारण ना करें):

मूंगा, मोती, माणिक, ओपल, हीरा, जरकन, नीलम, लहसुनिया आदि वर्जित हैं।

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. Office Address (Head Office): Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729. 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

नोट : रत्न पहनने का अर्थ यह है की जिस ग्रह का रत्न धारण किया जाता है उस ग्रह की किरणों का शरीर में बढ़ाना। रत्न हमेशा योग कारक और सम ग्रह का पहना जाता है जब वो अच्छे फल देने में सक्षम न हो।

a) चंद्रदेव (मोती), मंगलदेव (मूंगा) और बृहस्पति देव (पीला पुखराज) का रत्न सदा शुक्ल पक्ष में धारण करना चाहिए। तभी यह लाभ प्रद होता है। (समय 8:15 AM)

b) सूर्य देव (माणिक), बुध देव (पन्ना), शुक्र देव (ओपल, हीरा, सफ़ेद पुखराज), शनि देव (नीलम) का रत्न किसी भी पक्ष में धारण कर सकते हैं। (समय 8:15 AM)

c) सही गड़ना के मुताबिक **पांच कैरट या एक ग्राम से कम** वजन का रत्न नहीं धारण करना चाहिए।

d) **पुरुषों** को सदैव दाएं हाथ में रत्न पहना है। **स्त्रियों** को सदैव बाएं हाथ में रत्न पहनना चाहिए। अगर किसी जातक को नाग धारण हो जैसे (माणिक, मूंगा), (नीलम, हीरा) तोह लग्न का रत्न उस जातक को पहले सही हाथ में धारण करवाया जाता है। दूसरा रत्न दूसरे हाथ में पहनाया जाता है।

8. **रोग भाव का स्वामी:** (मित्र/शत्रु) शुक्र देव :- शुक्र देव के दान करने से रोगों को कम करने में मदद मिलेगी। दान आगे report से देखकर follow करें।

9. **रोग – विश्लेषण:** (रोगों के कारक ग्रह)

आधुनिक समय के भाग - दौड़ एवं वयस्तता भरे जीवन मे प्रत्येक मनुष्य अपनी आकांछाओं और धन - प्राप्ति के पीछे ऐसा वयस्त है कि वह पूर्णतः अपने खान - पान, रहन-सहन और जीवन शैली पर सही ध्यान नहीं दे पता। इसलिए हर मनुष्य अपने स्वास्थय - सम्बन्धी छोटी-छोटी परेशनियों से भी साथ - साथ संघर्ष करता रहता है। Kiara Astrology के माध्यम से हम यह प्रयास करने की कोशिश कर रहे है कि आप ज्योतिष-विद्या के माध्यम से साधारण उपायों द्वारा अपने रोग - सम्बन्धी समस्यायो को कम कर पायँ एवं स्वयं के जीवन को जीने लायक बना सकें।

जन्म कुंडली मे छठा (6th) भाव रोग भाव होता है और छठे भाव का स्वामी रोगेष कहलाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रत्येक लग्न कुंडली मे रोग -भाव तथा रोगेष का विश्लेषण करने का तरीका बदल जाता है।

सूर्य देव : हड्डिओं के रोग , हृदय रोग , आँखों सम्बन्धी रोग।

चन्द्रमा देव : मानसिक रोग, आँखों के रोग, शरीर व पेट के जल सम्बन्धी रोग, निमोनिया , फेफड़ो के रोग

मंगल देव : खून से सम्बंधित रोग, ब्लड प्रेसर, शुगर, थायरॉइड, कॉलिस्ट्रोल, शारीरिक शक्ति, माँसपेशिओ के रोग

बुध देव : त्वचा से सम्बंधित रोग, यादाश्त सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, तुतलाना, हकलाना, व कंठ के रोग।

बृहस्पति देव : लीवर, चर्बी, किडनी, मोटापा सम्बन्धी रोग।

Scanned with CamScanner

शुक्र देव : गुप्तांग सम्बन्धी रोग, नपुंसकता।

शनि देव : शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द, लम्बी बीमारी।

राहु देव : सभी तरह की संक्रामकता, कुष्ठ रोग, अपगता, पागलपन, वहम।

केतु देव : रीढ़ की हड्डी, हड्डिओं के बीच में तरलता, कैंसर, बबासीर, फोड़े- फुन्सी, दाँत सम्बन्धी रोग।

10. रोग कम करने के लिए दान :

शुक्र, मंगल, चन्द्र देव, शनि देव के दान व पाठ पूजन करने से पूरी तरह रोगों से छूट रहा जा सकता है

Comments:

☹ Stomach related health issues होंगे। शनि की दशा में पेट का ऑपरेशन होने का योग बनता है इसलिए शनिदेव का पाठ पूजन कुण्डली के बाद हर शनिवार को अवश्य करें! तथा शनि का दान आगे report में आसान उपाय व दान अवश्य करें!

☹ ↳ शनिदेव तथा केतु देव व मंगल देव के कारण love life में परेशानी रहती है इन तीनों ग्रहों का पाठ पूजन व दान regular life में adopt करें। Maximum परेशानी छूट हो जाएंगी! गुस्सा भी शान्त होगा। health भी ठीक रहेगी। Anxiety, depression, तनाव आदि control होगा।

☹ ↳ After marriage, first child होने में परेशानी होगी। गर्भपात की सम्भावना 95% है इसलिए शनिदेव, केतु, मंगलदेव को 6 Months पहले से दान व पाठ पूजन की मदद से इन ग्रहों का प्रभाव कम करें! otherwise Problems बढ़ जाएंगी। उपाय करने से समस्या समाप्त होगी।

Scanned with CamScanner

☹ सूर्य देव को रोजाना जल देने की आदत बनाएं। उससे सूर्य की Negative Rays में कमी आएगी तथा तनाव, obstacles दूर होंगी। धन संचय (Savings) करने में मदद मिलेगी।

☹ सोमवार को चन्द्र के दान व उपाय करने से health में सुधार आयेगा, Anxiety, depression कम होगा।
↳ चींटियों को 1 मुट्ठी चीनी खिलाने से भी चन्द्रदेव शान्त हो जाते हैं। (हर सोमवार को करें।), और दान करने के लिए अपने report से follow करें।

☹ Hardwork काफी होता है। फिजूल की मेहनत काफी हो जाती है। उसके accordingly results कम मिलते हैं। → (Negligible results) भाग्य का साथ नहीं मिलता। Hardwork के बाद ही चीजें मिलती हैं। शनिदेव तथा शुक्र देव के उपाय व दान करने से इन सब समस्याओं में relief मिलेगी।

☹ Problems के अनुसार दान व पाठ पूजन कर सकते हैं। तथा Next Page पर लिखे dates के according भी कर सकते हैं।

☹ पाप ग्रह :- (मंगल, शनि, केतु) → (Must दान व पूजा पाठ व मंत्र जाप)
↳ Rest उपाय दशा के अनुसार follow करें।

Scanned with CamScanner

11. महादशा/अन्तर्दशा/प्रत्यंतर दशा परिणाम :

बुध की महादशा : 09/03/2012 to 09/03/2029 : अच्छी दशा (50%)

* (पन्ना धारण करने से समय काफी अच्छा होगा !)

बुध/चन्द्र :- 10/04/2019 to 08/09/2020 : खराब समय (50%)

{Health समस्या, मानसिक तनाव, depression, Negative thoughts, hospital Bills, खर्चा बढ़ेगा काफी, obstacles in every work.}

↳ चन्द्र देव के दान व उपाय upto 08/09/2020 तक | हर सोमवार को अवश्य करें ! समस्याऐं कम हो जाएंगी !

↳ 19/04/20 to 19/05/20 : खराब समय :→ [चन्द्र तथा केतु के दान व उपाय करें !]
(केतु के उपाय में कुत्ते को शाम को रोटी खिलाएं !)

↳ 20/05/20 to 13/08/20 :- 100% खराब समय : (Health खराब होगी)
↳ [चन्द्र तथा शुक्र का दान व उपाय व मंत्र जाप अवश्य करें !]
↳ [शुक्रवार को शुक्र के maximum उपाय follow करें]

↳ 14/08/20 to 08/09/20 :- (80% खराब समय) → पिता से मतभेद होंगे, (depression) (धनहानि)
↳ चन्द्र तथा सूर्य के उपाय व दान करने से समस्या समाप्त होगी।

Scanned with CamScanner

बुध/मंगल : 09/09/20 to 05/09/21 : कठिन समय (50%)

↳ शादी भी इसी दशा में होने का योग बनता है।

{इस duration में गुस्सा बहुत आएगा, health disturb रहेगी, पिता को परेशानी या उनसे दूरियाँ बनेंगी, खर्चा काफी बढ़ेगा, Anxiety, Blood pressure का समस्या हो सकता है। Job में समस्या हो सकती है।}

↳ हनुमान जी का पाठ पूजन, हनुमान चालीसा का पाठ, तथा लाल रंग की वस्तुओं का दान, चीटियों को चीनी खिलाना, हनुमान जी पर सिन्दूर चढ़ाने से, समस्याएँ समाप्त होंगी !

(हर मंगलवार को दान अवश्य करें !).

Arrange marriage के योग हैं।

शनिदेव या हनुमान जी का fast भी रख सकते हैं।

↓ (शनिवार को) ↓ (मंगल व्रत)

↳ (समस्याएँ कम होंगी !)

Sonu
18/09/2020

कुंडली में स्थित मारक (शत्रु) ग्रह के उपाय & दान :

ग्रह	उपाय & दान
सूर्य देव के उपाय: **(रविवार को करना है)**	सूर्य देव को जल देना, तांबे का सिक्का जल प्रवाह करना, शक्कर चींटियों को डालना, ब्रह्म देव की उपासना करना, माणिक जल प्रवाह करना। **नोट:- पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** **सूर्य देव के मंत्र का जाप करें। (ऊँ सूर्याय नम:)**
चंद्र देव के उपाय: **(सोमवार को करना है)**	दूध दान करना, चावल दान करना, मिश्री दान करना, चीनी दान करना या चींटियों को डालना, श्वेत वस्तु (वस्त्र, फूल) दान करना, मोती दान या जल प्रवाह करना। **नोट:- माता या माता तुल्य स्त्रियों से मधुर संबंध रखना, उनसे आशीर्वाद लेना, उनकी सेवा करने से चंद्र देव प्रसन्न होते हैं।** सोमवार को दूध या जल शिवलिंग पर चढ़ायें और शिव जी पूजा करें। चंद्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ सों सोमाय नम:)**
मंगल देव के उपाय: **(मंगलवार को करना है)**	हनुमान जी को सिन्दूर चढ़ाना , हनुमान जी को चोला चढ़ाना, लाल चीज का दान, टमाटर का दान, गाजर का दान, अनार का दान, शक्कर चींटियों को डालना, लाल सूखी मिर्च जल प्रवाह करना, मूँगा जल प्रवाह करना, हनुमान जी को पान के पत्ते चढना। **नोट:- छोटे भाई या छोटे भाई तुल्य व्यक्ति से मधुर संबंध रखना, ख्याल रखने से मंगल देव प्रसन्न होते हैं।** मंगल देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ भुं भौमाय नम: अथवा ऊँ अं अंगारकाय नम:)** **(संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। कौन सो संकट मोर गरीब को ,जो तुमसे नहिं जात है तारो ॥)**
बुद्ध देव के उपाय: **(बुधवार को करना है)**	हरा चारा गाय को डालना, खीरा दान करना, पुदीना दान करना, पन्ना जल प्रवाह करना, बाज़रा पंछियों को डालना, साबुत मूंगी का दान करना, हरी वस्तु (वस्त्र, चूड़ियाँ इत्यादि), तुलसी का दान और सेवा, किन्नरों को कुछ भी खाने को देना। **नोट:- छोटी कन्या, मौसी, बुआ, बहन, भाभी, ताई, चाची, मामी से मधुर संबंध रखने से बुध देव प्रसन्न होते हैं।** बुद्ध देव के मंत्र का जाप करें **(ऊँ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः ॥ (or) ऊँ गंग गणपतये नमः)**
बृहस्पति देव के उपाय: **(बृहस्पतिवार को करना है)**	शक्कर का दान या चींटियों को डालना, बेसन के लड्डू का दान करना, केले, हल्दी का दान करना, केले क पेड़ को जल देना और सेवा करना, चने की दाल का दान करना, गेंदे का फूल मन्दिर में चढ़ाना, धार्मिक और ज्ञानवर्धक पुस्तके बांटना, सुनेला जल प्रवाह करना, पापीती का दान करना। **नोट:- बुजुर्गो की सेवा करना, गुरूजनो का सम्मान करना, पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** बृहस्पतिवार को हल्दी की पीली गाँठे जल प्रवाह करें और बृहस्पति देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ बृं बृहस्पतये नम:)**
शुक्र देव के उपाय:	चीनी दान करना, चावल दान करना, आटा दान करना, सफ़ेद मिठाई (रसगुल्ला, छेना मुर्की, बर्फी) दान करना, इत्र दान करना, जरकन (ओपल) दान करना, सौंदर्य प्रधान वस्तुओं का दान करना, मिश्री दान करना। **नोट:- पत्नी, प्रेमिका के साथ मधुर संबंध रखना, स्त्रियों का आदर करना।**

(शुक्रवार को करना है)	हर शुक्रवार को कच्चे दूध (1/2 cup) से स्नान करें और शुक्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः ॥ (or) ऊँ शुं शुक्राय नमः)**
शनि देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	काले तिल दान करना/ चीटियों को डालना, सरसों के तेल का दाल करना, काली जुरावें दान करना, पीपल के वृक्ष को जल देना, पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों का दीपक जलाना, काला वस्त्र का दान करना, लोहे की वस्तुओं का दान करना (चिंता, तवा), नीली जल प्रवाह करना, शनि चालीसा का दान करना, कोयला दान करना/ जल प्रवाह करना, जूता, चप्पल दान करना। **नोट:- निम्न स्तर का कर्मचारी (मजदूर, नौकर, कामवाली, भिखारी) के साथ सही व्यवहार रखने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं।** शनिवार को शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes शनि देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ शं शनैश्चराय नमः)**
राहु देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	चाय की पत्ती, अगरबत्ती दान करना, सिक्का दान करना, बिजली की तार जल प्रवाह करना, गोमेद जल प्रवाह करना, सतनाजा चीटियों को डालना, काला सफ़ेद कम्बल दान करना, विकलांगो की सहायता करना, कुस्थश्रम में दान करना, नेत्रहीनों की सेवा करना। शनिवार को चाय की पत्ती (100gm), १ अगरबत्ती का पैकेट शनि देव के मंदिर के बाहर गरीबों को दान करें और देते समय राहु मंत्र "ॐ रां राहवे नमः" का जप करें। **नोट:- किसी भी प्रकार से शारीरिक असमर्थ लोगों का ख्याल रखने से राहु देव प्रसन्न होते हैं।** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes राहु देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ रां राहवे नमः)**
केतु देव के उपाय: **(मंगल, बुधवार को करना है)**	काला सफ़ेद कपड़ा दान करना, निम्बू दान करना, अमचूर दान करना, आंवले का अचार दान करना, चाकू दान करना, कुत्ते की सेवा करना, कुत्ते को कपड़ा पहनना। **नोट:- नानका परिवार से मधुर संबंध रखने से केतुदेव प्रसन्न होते हैं.** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes केतु देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊं कें केतवे नमः)**

नोट: यदि आपकी कुंडली शनि, राहु के दान के लिए अनुमति प्रदान करती है तो **अमावश्या** के दिन किसी भी समय (दिन/रात) चाय की पत्ती, अगरबत्ती का दान (राहु के लिए) तथा सरसों का तेल (शनि देव के लिए) का दान अवश्य करें।

नोट: यदि परिवार में कलह - कलेश हो रहा हो और स्थित बिगड़ने वाली हो तो उस वक्त कोई भी परिवार का सदस्य मन ही मन २० मिनट तक नीचे दिए गये मंत्र का जाप अवश्य करें। संकटमोचन हनुमान जी आपकी अवश्य मदद करेंगे और स्थित सामान्य होने लगेगी। (हनुमान जी का पाठ पूजन महिलाएं भी कर सकती हैं। क्यूंकि हनुमान जी ने अपनी छाती चीर कर दिखा दी थी कि उनके हृदय में प्रभु राम और सीता माता दोनों एक साथ रहते हैं6 ।)

मंत्र : संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। कौन सो संकट मोर गरीब को, जो तुमसे नहिं जात है टारो ॥

ॐ गं गणपतये नम

शुभ 卐 लाभ

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 50011304 Date: 18/04/2020

Ishita Kaushik

18 Jul 1994 05:25 PM

Baghpat

Kiara Astrology Research Centre ®
Somvir Singh (Celebrity & Family Astrologer)
Shop - 39, First Floor, Shree Jagdish Complex, Near Chandani Chowk, Hatia, Ranchi - 834004
+91-8674827268, +91-8789981729
Website: www.KiaraAstrology.in, Email: KiaraAstrology@gmail.com

Ishita Kaushik

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 50011304 Date: 18/04/2020

लिंग	: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	: **18/07/1994**
दिन	: सोमवार
जन्म समय	: **17:25:00 ांटे**
इष्ट	: 29:37:45 घटी
स्थान	: **Baghpat**
राज्य	: Uttar Pradesh
देश	: India

अक्षांश	: 28:56:00 उत्तर
रेखांश	: 77:14:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:21:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 17:03:56 घंटे
वेलान्तर	: -00:06:10 घंटे
साम्पातिक काल	: 12:48:11 घंटे
सूर्योदय	: 05:33:53 घंटे
सूर्यास्त	: 19:20:14 घंटे
दिनमान	: 13:46:21 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: वर्षा
सूर्य के अंश	: 01:51:04 कर्क
लग्न के अंश	: 04:33:16 धनु

चैत्रादि संवत / शक	: 2051 / 1916
मास	: आषाढ़
पक्ष	: शुक्ल
सूर्योदय कालीन तिथि	: 10
तिथि समाप्ति काल	: 13:02:08
जन्म तिथि	: 11
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	: विशाखा
नक्षत्र समाप्ति काल	: 15:49:02 घंटे
जन्म नक्षत्र	: अनुराधा
सूर्योदय कालीन योग	: शुभ
योग समाप्ति काल	: 18:15:00 घंटे
जन्म योग	: शुभ
सूर्योदय कालीन करण	: गर
करण समाप्ति काल	: 13:02:08 घंटे
जन्म करण	: वणिज
भयात	: 03:59:55
भभोग	: 55:54:31
भोग्य दशा काल	: शनि 17 वर्ष 7 मा 21 दि

अवकहड I चक्र	
लग्न–लग्नाधिपति	: धनु – गुरु
राशि–स्वामी	: **वृश्चिक – मंगल**
नक्षत्र–चरण	: **अनुराधा – 1**
नक्षत्र स्वामी	: शनि
योग	: शुभ
करण	: वणिज
गण	: देव
योनि	: मृग
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: विप्र
वश्य	: कीटक
वर्ग	: सर्प
युँजा	: मध्य
हंसक	: जल
जन्म नामाक्षर	: ना–नन्दिता
पाया(राशि–नक्षत्र)	: लौह – ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कर्क

ात चक्र	
मास	: आश्विन
तिथि	: 1-6-11
दिन	: शुक्रवार
नक्षत्र	: रेवती
योग	: व्यतिपात
करण	: गर
प्रहर	: 1
वर्ग	: गरूड़
लग्न	: वृश्चिक
सूर्य	: मकर
चन्द्र	: धनु
मंगल	: कुम्भ
बुध	: वृश्चिक
गुरु	: मीन
शुक्र	: मेष
शनि	: कर्क
राहु	: वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	04:33:16	328:55:57	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	———
सूर्य			कर्क	01:51:04	00:57:14	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	04:17:10	14:17:51	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	नीच राशि
मंगल			वृष	16:26:18	00:41:36	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	सम राशि
बुध			मिथु	11:29:25	01:00:03	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	स्वराशि
गुरु			तुला	11:22:55	00:02:54	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	14:20:37	01:07:00	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
शनि	व		कुंभ	18:05:56	00:02:24	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	मूलत्रिकोण
राहु	व		तुला	28:01:49	00:00:38	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		मेष	28:01:49	00:00:38	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष	व		मक	00:31:29	00:02:25	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	———
नेप	व		धनु	28:04:28	00:01:37	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	———
प्लूटो	व		वृश्चि	01:35:02	00:00:35	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	———
दशम भाव			कन्या	19:18:55	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	बुध	--

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:05

लग्न–चलित

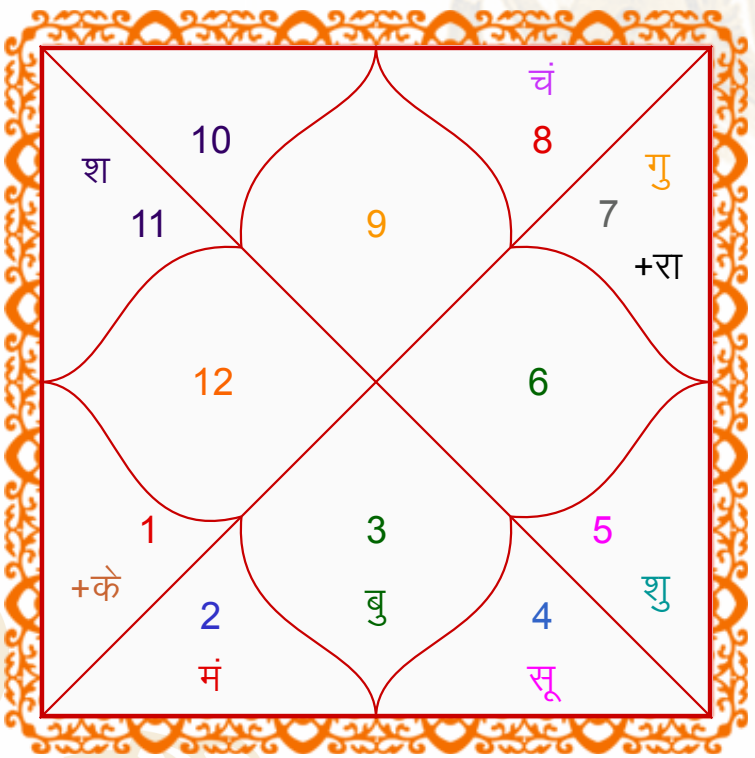

चन्द्र कुंडली

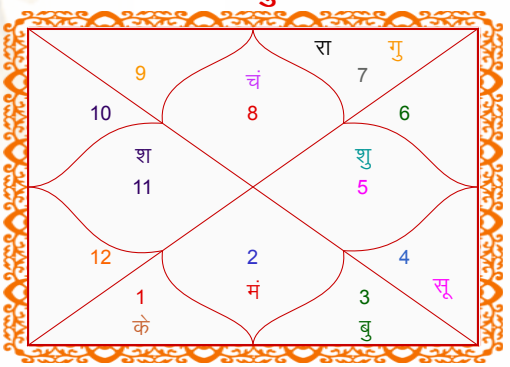

नवमांश कुंडली

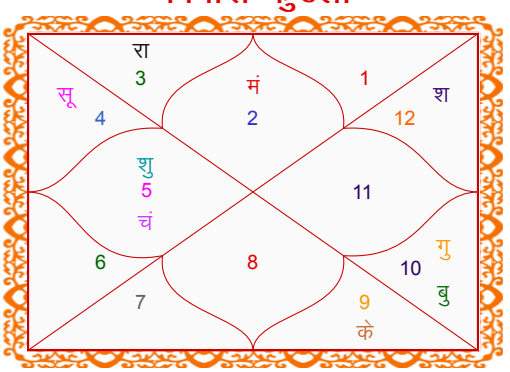

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	33	0	24	29	28	14	21
सप्तवर्गज बल	47	83	113	128	101	75	86
ओजयुग्मक बल	0	15	0	15	15	0	15
केन्द्र बल	30	15	15	60	30	15	15
द्रेष्काण बल	15	0	0	15	0	0	15
कुल स्थान बल	125	113	151	246	174	104	152
कुल दिग्बल	34	15	19	2	42	12	25
नतोन्नत बल	35	25	25	60	35	35	25
पक्ष बल	19	82	19	41	41	41	19
त्रिभाग बल	0	0	0	0	60	0	60
अब्द बल	0	0	0	0	0	0	15
मास बल	0	0	0	0	0	0	30
वार बल	0	45	0	0	0	0	0
होरा बल	60	0	0	0	0	0	0
अयन बल	114	55	58	60	13	41	39
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल कालबल	228	207	102	161	149	117	188
कुल चेष्टाबल	0	0	22	25	35	31	45
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	14	-11	6	17	-9	-18	31
कुल षट्बल	461	375	317	478	426	289	450
रूप षट्बल	7.7	6.3	5.3	8.0	7.1	4.8	7.5
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	7	6	5
अनुपात	1.5	1.0	1.1	1.1	1.1	0.9	1.5
संबंधित पद	1	6	5	3	4	7	2

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	41.03	4.18	23.02	26.92	31.43	21.11	30.48
कष्ट फल	15.27	33.81	36.95	32.96	28.09	36.22	24.27

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	426	450	450	426	317	289	478	375	461	478	289	317
भावदिग्बल	60	20	40	60	10	20	0	20	50	30	40	10
भावदृष्टि बल	39	69	97	36	66	44	37	48	-5	16	13	-10
कुल भाव बल	526	539	586	522	393	353	514	443	506	523	341	318
रूप भाव बल	8.8	9.0	9.8	8.7	6.6	5.9	8.6	7.4	8.4	8.7	5.7	5.3
संबंधित पद	3	2	1	5	9	10	6	8	7	4	11	12

भाव बल ग्राफ

भावाधिपति बल

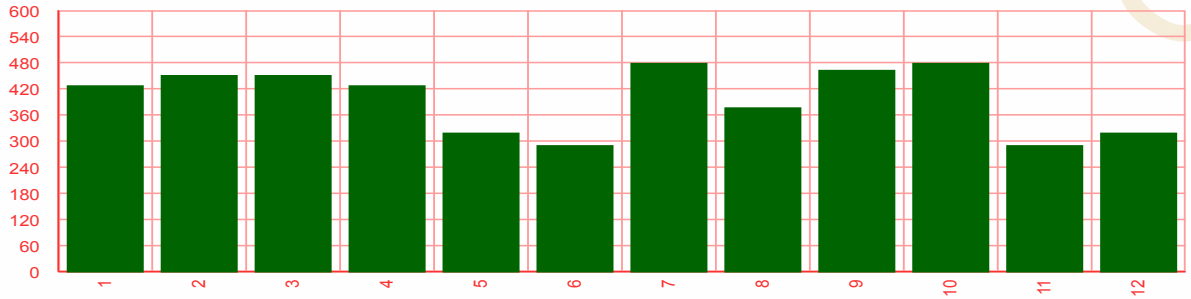

भावदिग्बल

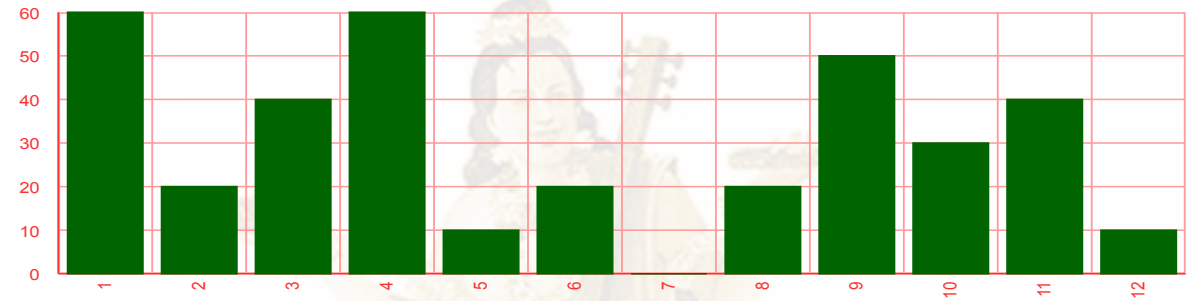

भावदृष्टि बल

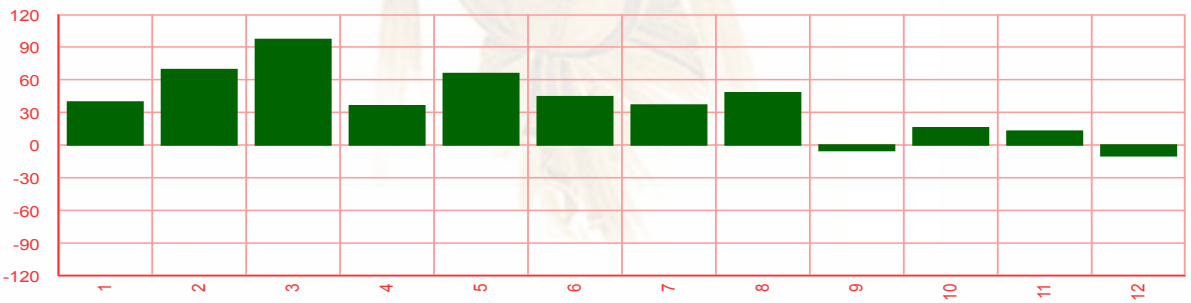

भाव बल

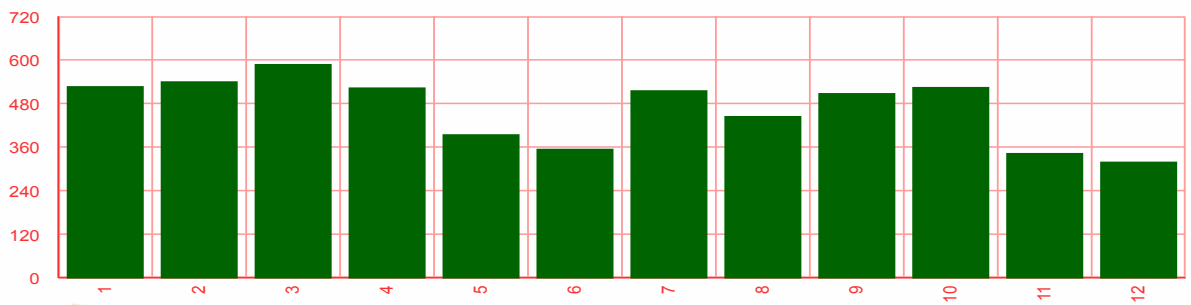

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 17 वर्ष 7 मास 21 दिन

शनि 19 वर्ष	
18/07/1994	
09/03/2012	
शनि	12/03/1996
बुध	20/11/1998
केतु	30/12/1999
शुक्र	01/03/2003
सूर्य	11/02/2004
चंद्र	11/09/2005
मंगल	21/10/2006
राहु	27/08/2009
गुरु	09/03/2012

बुध 17 वर्ष	
09/03/2012	
09/03/2029	
बुध	06/08/2014
केतु	03/08/2015
शुक्र	03/06/2018
सूर्य	09/04/2019
चंद्र	08/09/2020
मंगल	05/09/2021
राहु	24/03/2024
गुरु	30/06/2026
शनि	09/03/2029

केतु 7 वर्ष	
09/03/2029	
09/03/2036	
केतु	05/08/2029
शुक्र	06/10/2030
सूर्य	10/02/2031
चंद्र	11/09/2031
मंगल	08/02/2032
राहु	25/02/2033
गुरु	01/02/2034
शनि	13/03/2035
बुध	09/03/2036

शुक्र 20 वर्ष	
09/03/2036	
09/03/2056	
शुक्र	10/07/2039
सूर्य	09/07/2040
चंद्र	10/03/2042
मंगल	10/05/2043
राहु	09/05/2046
गुरु	07/01/2049
शनि	09/03/2052
बुध	08/01/2055
केतु	09/03/2056

सूर्य 6 वर्ष	
09/03/2056	
10/03/2062	
सूर्य	27/06/2056
चंद्र	26/12/2056
मंगल	03/05/2057
राहु	28/03/2058
गुरु	14/01/2059
शनि	27/12/2059
बुध	01/11/2060
केतु	09/03/2061
शुक्र	10/03/2062

चंद्र 10 वर्ष	
10/03/2062	
09/03/2072	
चंद्र	08/01/2063
मंगल	09/08/2063
राहु	07/02/2065
गुरु	09/06/2066
शनि	08/01/2068
बुध	09/06/2069
केतु	08/01/2070
शुक्र	08/09/2071
सूर्य	09/03/2072

मंगल 7 वर्ष	
09/03/2072	
10/03/2079	
मंगल	05/08/2072
राहु	24/08/2073
गुरु	31/07/2074
शनि	08/09/2075
बुध	05/09/2076
केतु	01/02/2077
शुक्र	03/04/2078
सूर्य	09/08/2078
चंद्र	10/03/2079

राहु 18 वर्ष	
10/03/2079	
09/03/2097	
राहु	20/11/2081
गुरु	15/04/2084
शनि	20/02/2087
बुध	08/09/2089
केतु	26/09/2090
शुक्र	26/09/2093
सूर्य	21/08/2094
चंद्र	20/02/2096
मंगल	09/03/2097

गुरु 16 वर्ष	
09/03/2097	
10/03/2113	
गुरु	28/04/2099
शनि	09/11/2101
बुध	15/02/2104
केतु	21/01/2105
शुक्र	22/09/2107
सूर्य	10/07/2108
चंद्र	09/11/2109
मंगल	16/10/2110
राहु	10/03/2113

शनि 19 वर्ष	
10/03/2113	
00/00/0000	
शनि	19/07/2114
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 17 वर्ष 7 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

बुध - चंद्र	
09/04/2019	
08/09/2020	
चंद्र	22/05/2019
मंगल	22/06/2019
राहु	07/09/2019
गुरु	15/11/2019
शनि	05/02/2020
बुध	18/04/2020
केतु	19/05/2020
शुक्र	13/08/2020
सूर्य	08/09/2020

बुध - मंगल	
08/09/2020	
05/09/2021	
मंगल	29/09/2020
राहु	22/11/2020
गुरु	09/01/2021
शनि	08/03/2021
बुध	28/04/2021
केतु	19/05/2021
शुक्र	19/07/2021
सूर्य	06/08/2021
चंद्र	05/09/2021

बुध - राहु	
05/09/2021	
24/03/2024	
राहु	23/01/2022
गुरु	27/05/2022
शनि	21/10/2022
बुध	02/03/2023
केतु	26/04/2023
शुक्र	28/09/2023
सूर्य	13/11/2023
चंद्र	30/01/2024
मंगल	24/03/2024

बुध - गुरु	
24/03/2024	
30/06/2026	
गुरु	13/07/2024
शनि	21/11/2024
बुध	18/03/2025
केतु	05/05/2025
शुक्र	20/09/2025
सूर्य	01/11/2025
चंद्र	09/01/2026
मंगल	26/02/2026
राहु	30/06/2026

बुध - शनि	
30/06/2026	
09/03/2029	
शनि	03/12/2026
बुध	21/04/2027
केतु	17/06/2027
शुक्र	28/11/2027
सूर्य	16/01/2028
चंद्र	07/04/2028
मंगल	04/06/2028
राहु	29/10/2028
गुरु	09/03/2029

केतु - केतु	
09/03/2029	
05/08/2029	
केतु	18/03/2029
शुक्र	12/04/2029
सूर्य	19/04/2029
चंद्र	02/05/2029
मंगल	10/05/2029
राहु	02/06/2029
गुरु	22/06/2029
शनि	15/07/2029
बुध	05/08/2029

केतु - शुक्र	
05/08/2029	
06/10/2030	
शुक्र	15/10/2029
सूर्य	06/11/2029
चंद्र	11/12/2029
मंगल	05/01/2030
राहु	10/03/2030
गुरु	06/05/2030
शनि	12/07/2030
बुध	11/09/2030
केतु	06/10/2030

केतु - सूर्य	
06/10/2030	
10/02/2031	
सूर्य	12/10/2030
चंद्र	23/10/2030
मंगल	30/10/2030
राहु	18/11/2030
गुरु	05/12/2030
शनि	26/12/2030
बुध	13/01/2031
केतु	20/01/2031
शुक्र	10/02/2031

केतु - चंद्र	
10/02/2031	
11/09/2031	
चंद्र	28/02/2031
मंगल	13/03/2031
राहु	14/04/2031
गुरु	12/05/2031
शनि	15/06/2031
बुध	15/07/2031
केतु	27/07/2031
शुक्र	01/09/2031
सूर्य	11/09/2031

केतु - मंगल	
11/09/2031	
08/02/2032	
मंगल	20/09/2031
राहु	13/10/2031
गुरु	01/11/2031
शनि	25/11/2031
बुध	16/12/2031
केतु	25/12/2031
शुक्र	19/01/2032
सूर्य	26/01/2032
चंद्र	08/02/2032

केतु - राहु	
08/02/2032	
25/02/2033	
राहु	05/04/2032
गुरु	26/05/2032
शनि	26/07/2032
बुध	18/09/2032
केतु	11/10/2032
शुक्र	14/12/2032
सूर्य	02/01/2033
चंद्र	03/02/2033
मंगल	25/02/2033

केतु - गुरु	
25/02/2033	
01/02/2034	
गुरु	12/04/2033
शनि	05/06/2033
बुध	23/07/2033
केतु	12/08/2033
शुक्र	08/10/2033
सूर्य	25/10/2033
चंद्र	22/11/2033
मंगल	12/12/2033
राहु	01/02/2034

केतु - शनि	
01/02/2034	
13/03/2035	
शनि	06/04/2034
बुध	02/06/2034
केतु	26/06/2034
शुक्र	02/09/2034
सूर्य	22/09/2034
चंद्र	26/10/2034
मंगल	18/11/2034
राहु	18/01/2035
गुरु	13/03/2035

केतु - बुध	
13/03/2035	
09/03/2036	
बुध	03/05/2035
केतु	24/05/2035
शुक्र	24/07/2035
सूर्य	11/08/2035
चंद्र	10/09/2035
मंगल	01/10/2035
राहु	24/11/2035
गुरु	12/01/2036
शनि	09/03/2036

शुक्र - शुक्र	
09/03/2036	
10/07/2039	
शुक्र	28/09/2036
सूर्य	28/11/2036
चंद्र	09/03/2037
मंगल	19/05/2037
राहु	18/11/2037
गुरु	29/04/2038
शनि	08/11/2038
बुध	30/04/2039
केतु	10/07/2039

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शुक्र - सूर्य	
10/07/2039	
09/07/2040	
सूर्य	28/07/2039
चंद्र	27/08/2039
मंगल	18/09/2039
राहु	11/11/2039
गुरु	30/12/2039
शनि	26/02/2040
बुध	18/04/2040
केतु	09/05/2040
शुक्र	09/07/2040

शुक्र - चंद्र	
09/07/2040	
10/03/2042	
चंद्र	29/08/2040
मंगल	03/10/2040
राहु	02/01/2041
गुरु	25/03/2041
शनि	29/06/2041
बुध	23/09/2041
केतु	29/10/2041
शुक्र	07/02/2042
सूर्य	10/03/2042

शुक्र - मंगल	
10/03/2042	
10/05/2043	
मंगल	03/04/2042
राहु	06/06/2042
गुरु	02/08/2042
शनि	09/10/2042
बुध	08/12/2042
केतु	02/01/2043
शुक्र	14/03/2043
सूर्य	04/04/2043
चंद्र	10/05/2043

शुक्र - राहु	
10/05/2043	
09/05/2046	
राहु	21/10/2043
गुरु	15/03/2044
शनि	05/09/2044
बुध	07/02/2045
केतु	12/04/2045
शुक्र	11/10/2045
सूर्य	05/12/2045
चंद्र	07/03/2046
मंगल	09/05/2046

शुक्र - गुरु	
09/05/2046	
07/01/2049	
गुरु	16/09/2046
शनि	18/02/2047
बुध	06/07/2047
केतु	31/08/2047
शुक्र	10/02/2048
सूर्य	29/03/2048
चंद्र	19/06/2048
मंगल	14/08/2048
राहु	07/01/2049

शुक्र - शनि	
07/01/2049	
09/03/2052	
शनि	10/07/2049
बुध	20/12/2049
केतु	26/02/2050
शुक्र	07/09/2050
सूर्य	03/11/2050
चंद्र	08/02/2051
मंगल	16/04/2051
राहु	07/10/2051
गुरु	09/03/2052

शुक्र - बुध	
09/03/2052	
08/01/2055	
बुध	03/08/2052
केतु	02/10/2052
शुक्र	24/03/2053
सूर्य	14/05/2053
चंद्र	09/08/2053
मंगल	08/10/2053
राहु	12/03/2054
गुरु	28/07/2054
शनि	08/01/2055

शुक्र - केतु	
08/01/2055	
09/03/2056	
केतु	02/02/2055
शुक्र	14/04/2055
सूर्य	05/05/2055
चंद्र	10/06/2055
मंगल	04/07/2055
राहु	06/09/2055
गुरु	02/11/2055
शनि	09/01/2056
बुध	09/03/2056

सूर्य - सूर्य	
09/03/2056	
27/06/2056	
सूर्य	15/03/2056
चंद्र	24/03/2056
मंगल	30/03/2056
राहु	16/04/2056
गुरु	30/04/2056
शनि	17/05/2056
बुध	02/06/2056
केतु	08/06/2056
शुक्र	27/06/2056

सूर्य - चंद्र	
27/06/2056	
26/12/2056	
चंद्र	12/07/2056
मंगल	23/07/2056
राहु	19/08/2056
गुरु	12/09/2056
शनि	11/10/2056
बुध	06/11/2056
केतु	17/11/2056
शुक्र	17/12/2056
सूर्य	26/12/2056

सूर्य - मंगल	
26/12/2056	
03/05/2057	
मंगल	03/01/2057
राहु	22/01/2057
गुरु	08/02/2057
शनि	28/02/2057
बुध	18/03/2057
केतु	26/03/2057
शुक्र	16/04/2057
सूर्य	22/04/2057
चंद्र	03/05/2057

सूर्य - राहु	
03/05/2057	
28/03/2058	
राहु	21/06/2057
गुरु	04/08/2057
शनि	25/09/2057
बुध	11/11/2057
केतु	30/11/2057
शुक्र	24/01/2058
सूर्य	09/02/2058
चंद्र	09/03/2058
मंगल	28/03/2058

सूर्य - गुरु	
28/03/2058	
14/01/2059	
गुरु	06/05/2058
शनि	21/06/2058
बुध	01/08/2058
केतु	18/08/2058
शुक्र	06/10/2058
सूर्य	21/10/2058
चंद्र	14/11/2058
मंगल	01/12/2058
राहु	14/01/2059

सूर्य - शनि	
14/01/2059	
27/12/2059	
शनि	10/03/2059
बुध	28/04/2059
केतु	18/05/2059
शुक्र	15/07/2059
सूर्य	02/08/2059
चंद्र	30/08/2059
मंगल	20/09/2059
राहु	11/11/2059
गुरु	27/12/2059

सूर्य - बुध	
27/12/2059	
01/11/2060	
बुध	09/02/2060
केतु	27/02/2060
शुक्र	19/04/2060
सूर्य	04/05/2060
चंद्र	30/05/2060
मंगल	17/06/2060
राहु	03/08/2060
गुरु	13/09/2060
शनि	01/11/2060